डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ
विकलांग जन विकास विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार
Dr. Shakuntala Misra National Rehabilitation University, Lucknow
Development of Persons with Disabilities Department
Government of Uttar Pradesh

प्रेस नोट

बधिरों की शिक्षा में सांकेतिक भाषा बेहद कारगर

भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार बधिरों की संख्या लगभग 50 लाख है। इसमें से 10 लाख बधिर उत्तर प्रदेश में हैं। इस तरह देश के बधिरों की सबसे ज्यादा आबादी लगभग 20 फीसदी उ.प्र. में हैं। भारत के कुल दिव्यांगों में 18.9 फीसदी बधिर हैं। जबकि उ.प्र. के कुल दिव्यांगों में 24.72 फीसदी बधिर हैं। बधिरों की शिक्षा के लिये पूरे देश में 550 विद्यालय हैं। इनमें से सिर्फ 15 विद्यालय उ.प्र. में हैं। इस तरह प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा तक बधिरों को शिक्षा देना एक कड़ी चुनौती है। सांकेतिक भाषा बधिरों की शिक्षा में बेहद कारगर साबित हो सकती है। इसके लिये मिशन मोड में काम करना होगा। ये बाते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. निशीथ राय ने आज अंतरराष्ट्रीय बधिर सप्ताह के समापन मौके पर कहीं। प्रो. राय ने कहा कि बधिरों में विलक्षण सृजनात्मकता होती है। जरूरत है कि उन्हें अपनी प्रतिभा के विकास का अवसर दिया जाय। हमारी लगातार कोशिश इस बात की है कि बधिरों को शिक्षा, तकनीक, साफ्टस्किल्स, के माध्यम से रोजगार योग्य बनाया जाय। इससे उन्हें मुख्यधारा में जोड़ा जा सकेगा तथा वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

विश्वविद्यालय के **'भारतीय सांकेतिक भाषा एवं अध्ययन केन्द्र'** द्वारा 19 सितम्बर से 24 सितम्बर, 2016 तक **'विद साइन लैंग्वेज आई ऐम इक्वल'** थीम पर केन्द्रित अंतरराष्ट्रीय बधिर सप्ताह के दौरान ड्राइंग, पेंटिंग, ड्रामा, रंगोली, स्पून रेस, बैलून रेस, फास्ट ईटिंग, चेस, ब्लॉक बिल्डिंग, कटिंग शेप इत्यादि प्रतियोगिताए आयोजित की गईं। इनमें बधिर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। आज समापन अवसर पर बधिर विद्यार्थियों द्वारा लघु नाटिकाएं पेश की गईं। इसके अलावां उनके द्वारा मनुष्य के उद्विकास का मुख अभिनय पेश किया गया। बधिर महिला की समस्या पर केन्द्रित बधिर छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत की गई लघु नाटिका बेहद मर्मस्पर्शी रही। सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान भी हुआ। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. एके दुबे, डीन एकेडमिक्स प्रो. एपी तिवारी, डीन विशेष शिक्षा प्रो. आरआर सिंह, कुलपति की स्टाफ आफिसर श्रीमती बिन्दू त्रिपाठी, फिल्म निर्माता श्री विजय वर्मा समेत बधिर विद्यार्थी मौजूद थे। संचालन डॉ. मृत्युंजय मिश्र ने किया।

सितम्बर 24, 2016

(प्रो. (डॉ.) ए.पी. तिवारी)
मीडिया प्रवक्ता एवं
कुलपति के शैक्षणिक सलाहकार